MANAGE BULLETIN
https://www.manage.gov.in/
December 2023

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए मिलेट पर अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ)- मैनेज अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन

मैनेज ने दिनांक 12 से 14 दिसंबर, 2023 तक अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) के सहयोग से "वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए मिलेट" पर एक अंतर्राष्ट्रीय बैठक की मेजबानी की।

पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. खादर वली - जिन्हें भारत का मिलेट मैन के रूप में जाना जाता है, श्री शुभाष पालेकर, कृषि वैज्ञानिक, लेखक और किसान, श्री मनोज नरदेवसिंह, सचिव एएआरडीओ, नई दिल्ली, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएमआर, हैदराबाद और डॉ. ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक (राष्ट्रीय सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम संस्थान), हैदराबाद इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे।

13 एशियाई ग्रामीण विकास संगठन सदस्य देशों के कुल 21 प्रतिनिधि, 3 भावी सदशी देशों के प्रतिनिधि, 6 एफपीओ देशों के 14 सदस्य और ऑस्ट्रेलियाई अन्तराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (एसीआईआर) और एपीईडीए के सदस्य भी इस गोलमेज बैठक में शामिल हुए।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने मिलेट उत्पादन और निर्यात में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया। उन्होंने कहा कि घरेलू उपयोग, ज्ञान प्रसार और अनुसंधान अंतराल में चुनौतियों के बावजूद, खाद्य सुरक्षा के लिए मिलेट उत्पादन बढ़ाने के लिए समन्वित प्रयास करना आवश्यक है। आार्डो के सचिव, मनोज नरदेव सिंह ने खाद्य सुरक्षा चुनौतियों का समाधान करने के लिए मिलेट से संबंधित नवाचारों को आगे बढ़ाने में वैश्विक सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला।

महानिदेशक का संदेश

वर्ष 2023 से आगे मिलेट को बढ़ावा देना

मैनेज ने अफ्रीकी-एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ) - जो एक अंतर-सरकारी संगठन है, के साथ मिलकर पूरे देश में मिलेट को बढ़ावा देने के लिए एक रोडमैप तैयार किया है। मैनेज और एएआरडीओ दोनों ने संयुक्त रूप से एक उच्च स्तरीय गोलमेज बैठक का आयोजन किया, जिसमें देश में मिलेट और प्राकृतिक खेती को लोकप्रिय बनाने वाले चैंपियन; मिलेट वैज्ञानिक, मिलेट विस्तार विशेषज्ञ, आधारित कृषि उद्यमी और कृषि स्टार्टअप; तथा भारत और एएआरडीओ सदस्य देशों के नीति अधिवक्ता शामिल हुए। मैनेज, आईसीआरआईएसएटी, ऑस्ट्रेलियाई अंतर्राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान केंद्र (एसीआईएआर), आईसीएआर-आईआईएमआर, एनआईएमएसएमई और एपीईडीए जैसे संगठनों के प्रमुखों ने जलवायु परिवर्तन, पोषण सुरक्षा, खाद्य सुरक्षा और जैव-विविधता से संबंधित चुनौतियों और मुद्दों पर विचार-विमर्श किया, जो आने वाले वर्षों में मिलेट को प्रभावित करेंगे।

गोलमेज बैठक सर्वसम्मति से सहमत हुई कि मिलेट को खाद्य प्रणालियों में पूरी तरह से एकीकृत करने की आवश्यकता है, क्योंकि यह समान और टिकाऊ कृषि विकास का समर्थन करेगा, इस प्रकार वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा में योगदान देगा, साथ ही साथ सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करेगा। इसके अलावा, गोलमेज बैठक अपनी घोषणा के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष को 2023 से परे वैश्विक खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए मिलेट उन्नति गठबंधन (एमएए) कार्यक्रम की स्थापना के माध्यम से विस्तारित करने की सिफारिश करता है। इसके लिए खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ), विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफपी), अंतर्राष्ट्रीय कृषि विकास कोष (आईएफएडी), विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और नीति नियोजकों, प्रशासकों, शिक्षाविदों, वैज्ञानिकों, किसानों और उपभोक्ताओं जैसे अन्य हितधारकों सहित विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों को सक्रिय करने की आवश्यकता है। मैनेज 2023 से परे बाजरा मिशन को आगे बढ़ाने वाली शक्तियों में शामिल होने के लिए प्रसन्न है।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

इस अंक में

- मिलेट पर एएआरडीओ-मैनेज अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन 01
- महानिदेशक का संदेश 02
- कृषि में मूल्य श्रृंखला के लिए एसएचजी और एफपीओ का अभिसरण.....04
- जलवायु स्मार्ट डिजिटल कृषि 04
- कृषि विकास के लिए ड्रोन.....05
- कृषि उद्यमिता विकास 05
- मैनेज ने राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया.....06
- अपर सचिव का मैनेज दौरा.....07
- कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार के अधिकारियों के लिए परिचयात्मक प्रशिक्षण.....07
- मैनेज टीम ने पद्मश्री भारत भूषण त्यागी के खेत का दौरा किया.....08
- नव नियुक्ति.....08

वैश्विक खाद्य सुरक्षा के लिए मिलेट पर अफ्रीकी एशियाई ग्रामीण विकास संगठन (एएआरडीओ)- मैनेज अंतर्राष्ट्रीय गोलमेज सम्मेलन

डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, आईसीएआर-आईआईएमआर, हैदराबाद ने मिलेट स्टार्टअप और चल रही गतिविधियों के लिए संस्थान के सक्रिय समर्थन को रेखांकित किया। उन्होंने मिलेट उत्पादन, अनुसंधान और मूल्य संवर्धन में सहयोग के लिए भागीदारों का स्वागत किया। प्रसिद्ध कृषि वैज्ञानिक और श्री सुभाष पालेकर ने रासायनिक खेती के साथ मिलेट के संयोजन की असंगति पर जोर दिया, उन्होंने कहा कि क्षारीय और फाइबर युक्त मिलेट जैविक खेती में पनपता है। उन्होंने मिलेट प्रसंस्करण और विपणन प्रथाओं में बदलाव का समर्थन किया और किसानों पर कीटनाशकों के इस्तेमाल के लिए दबाव डालने का आग्रह किया।

डॉ. ग्लोरी स्वरूपा, महानिदेशक, एनआई-एमएसएमई ने मयूरभंज, उड़ीसा और आंध्र प्रदेश के गुंटूर जिले के बापटला में संगठन के मिलेट क्लस्टरों पर प्रकाश डाला। वीडियो संदेशों में, डॉ. सुधांशु, अपेदा के सचिव और भारत के पोषण पुरुष बसंत कुमार कर ने कार्यक्रम की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं, जो टिकाऊ कृषि में मिलेट के महत्व को रेखांकित करता है।

भारत के मिलेट मैन के नाम से मशहूर, डॉ. खादर वली, ने मिलेट उत्पादन में समस्याओं को दूर करने और खाद्य प्रणाली

के निगमीकरण का अध्ययन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने उत्पादन बढ़ाकर, प्रसंस्करण तकनीकों में सुधार करके और मूल्य जोड़कर मिलेट के स्वास्थ्य लाभों पर जोर देते हुए विविध खाद्य उत्पाद बनाने का समर्थन किया। उद्घाटन कार्यक्रम "अफ्रीकन-एशियन जर्नल ऑफ रूरल डेवलपमेंट" के अनावरण और मैनेज परिसर में मिलेट प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ समाप्त हुआ।

बैठक 21 प्रतिनिधियों, 3 एएआरडीओ सदस्य देशों, हितधारकों और वैश्विक संगठनों के साथ संपन्न हुई। समापन समारोह में एक मसौदा घोषणा का अनावरण किया गया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र के मिलेट वर्ष 2023 को मान्यता दी गई, जिसमें मिलेट एडवांसमेंट एलायंस (एमएए) कार्यक्रम के लिए अंतर्राष्ट्रीय मिलेट वर्ष के विस्तार का प्रस्ताव दिया गया, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन, खाद्य सुरक्षा, पोषण और जैव विविधता को संबोधित करने में वैश्विक संस्थाओं को शामिल करना है।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज और श्री डॉ. मनोज एन., महासचिव, एएआरडीओ ने प्रतिभागियों के अमूल्य योगदान के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

कृषि में मूल्य श्रृंखला के लिए एसएचजी और एफपीओ

मैनेज ने दिनांक 19 से 21 दिसंबर, 2023 को कृषि में मूल्य शृंखला का लाभ उठाकर एसएचजी और एफपीओ के अभिसरण पर एक कार्यक्रम आयोजित किया। उद्घाटन सत्र में, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने कहा, कृषि मूल्य शृंखला की प्रभावशीलता विशिष्ट वस्तुओं पर निर्भर करती है, जो भिन्न-भिन्न क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न होती है। कृषि में, उत्पादन और कटाई से लेकर कटाई के बाद के प्रसंस्करण तक सभी चरणों में श्रम-गहन कार्यों, गुणवत्तापूर्ण आदानों की उपलब्धता और विश्वसनीय रोपण सामग्री जैसी चुनौतियां बनी रहती हैं।

यह मशीनीकरण के समाधान के रूप में प्रस्तावित किया गया है, लेकिन मशीनरी की उच्च लागत छोटे किसानों के लिए एक चुनौती है। स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) और किसान उत्पादक संगठन (एफपीओ) बिचौलियों को खत्म करके सीधे किसानों को किफायती गुणवत्ता वाले इनपुट, सुविधाएं और मशीनरी प्रदान करके महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा, ये समूह प्रसंस्करण गतिविधियों में भी उतर सकते हैं। उन्होंने आगे कहा कि हालांकि, एसएचजी और एफपीओ की सफलता बाजार अनुशासन और वित्तीय विवेक बनाए रखने पर निर्भर करती है। डॉ एम. श्रीकांत, निदेशक (कृषि व्यवसाय प्रबंधन) मैनेज ने इस कार्यक्रम के निदेशक के रूप में कार्य किया।

जलवायु स्मार्ट डिजिटल कृषि

मैनेज ने दिनांक 26 से 30 दिसंबर, 2023 को वीएनएमकेवी, परबणी, महाराष्ट्र के सहायक और सहयोगी प्रोफेसरों के लिए "जलवायु स्मार्ट डिजिटल कृषि" पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस कार्यक्रम में 15 प्रोफेसरों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

इस कार्यक्रम ने जलवायु परिवर्तन और कृषि, जल संसाधनों, पशुधन और आजीविका पर इसके प्रभावों की व्यापक समझ पर ध्यान केंद्रित किया। इसने बागवानी फसलों, पशुधन प्रबंधन और अनुकूलन रणनीतियों के लिए जलवायु-निवारक प्रथाओं पर विशेष जोर दिया। इस कार्यक्रम का लक्ष्य, आईसीएमआर-आईआईएमआर, आईसीएआर-सीआरआईडीए के साइट विज़िट और मैनेज जैसे संस्थानों के साथ जुड़ाव के माध्यम से, प्रतिभागियों को अत्याधुनिक तकनीकों, एकीकृत कृषि प्रणालियों और डिजिटल अनुप्रयोगों के बारे में जानकारी देना है ताकि कृषि परिदृश्य में जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का समाधान किया जा सके। डॉ के. कृष्णा रेड्डी, निदेशक (आईसीटी), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

कृषि विकास के लिए ड्रोन

खेती विकास में ड्रोन के बारे में जागरूकता और प्रौद्योगिक प्रसार करने के लिए, मैनेज ने ओडिशा सरकार के तत्वावधान में दिनांक 18 से 22 दिसंबर, 2023 को ओडिशा के कृषि अधिकारियों के लिए "ड्रोन इन एग्रीकल्चरल डेवलपमेंट" पर प्रशिक्षण कार्यक्रम पूरा किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में चौबीस व्यक्तियों ने भाग लिया।

इस कार्यक्रम का मुख्य फोकस आधुनिक कृषि में ड्रोन के अनुप्रयोगों पर था, जिसमें एसओपी विनियामक अनुपालन और प्रौद्योगिकी के मुद्दों को शामिल किया गया था। प्रतिभागी विभिन्न प्रकार के ड्रोन का पता लगाएंगे, मोबाइल ऐप विकास प्रक्रिया में शामिल होंगे, और स्टार्टअप के अनुभवों से सीखेंगे, जिनमें सटीक खेती, कृषि सर्वेक्षण, फसल निरीक्षण और डेटा विश्लेषण जैसे विशिष्ट अनुप्रयोग शामिल हैं।

डॉ. जी. भास्कर, एसजी, सहायक निदेशक (आईटी), मैनेज, ने कार्यक्रम का निर्देशन किया

कृषि उद्यमिता विकास

मैनेज ने दिनांक 26 से 30 दिसंबर, 2023 को ओडिशा के कृषि विभाग के 25 वरिष्ठ अधिकारियों के लिए 'कृषि उद्यमिता विकास' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन किया। इस कार्यक्रम को कृषि उद्यमिता विकास के प्रमुख पहलुओं को संबोधित करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें बाजार सर्वेक्षण, विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करना और ज्वार, बागवानी, जलीय कृषि और पशुधन क्षेत्रों के भीतर अवसरों की खोज शामिल है। इस पहल में किसानों को बाजारों से जोड़ने, संबद्ध क्षेत्रों की चुनौतियों से निपटने और कृषि उद्यमिता विकास के लिए सरकारी पहलों पर भी ध्यान केंद्रित करता है। इस कार्यक्रम का लक्ष्य प्रतिभागियों को कौशल और अंतर्दृष्टि से लैस करना है, जो आईसीएआर-आईआईएमआर जैसे साइट विज़िट, सफल कृषि उद्यमियों के अनुभवों और नवीन विस्तार दृष्टिकोणों के माध्यम से कृषि स्टार्टअप को आगे बढ़ाने और कृषि में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए आवश्यक हैं। इस कार्यक्रम का निर्देशन डॉ. शाहजी फंड, उप निदेशक (संबद्ध विस्तार) ने किया।

मैनेज ने राष्ट्रीय किसान दिवस मनाया

मैनेज ने दिनांक 23 दिसंबर, 2023 को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय चौधरी चरण सिंह की 122वीं जयंती पर राष्ट्रीय किसान दिवस (Farmers Day) मनाया। इस कार्यक्रम में डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज, डॉ. नीला रानी, प्रधान वैज्ञानिक, एआईसीआरपी, सीएएफटी, पीजेटीएसएयू, डॉ. वीनीता कुमारी, उप निदेशक, मैनेज और डीडीएस जहीराबाद, केवीके गड्डीपल्ली और एआईसीआरपी के छः नामित किसानों की उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई।

इस शुभ अवसर पर, डॉ. पी. चंद्रा शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने वास्तविक जीवन के अनुभवों से प्राप्त अपने बहुमूल्य विचार साझा किया। उन्होंने विभिन्न चुनौतियों के लिए अलग-अलग समाधान तैयार करने की आवश्यकता पर बल दिया। श्रम की कमी, बाजार की अक्षमताओं और भंडारण की चुनौतियों से निपटने के लिए, एक रणनीतिक दृष्टिकोण में सटीक खेती को अपनाना, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना को बढ़ावा देना और स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) का समर्थन करना शामिल है।

डॉ. नीला रानी, प्रधान वैज्ञानिक, पीजेटीएसएयू ने किसान दिवस मनाने के आंतरिक महत्व पर प्रकाश डाला, जिससे किसान देश के कृषि परिदृश्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

यह कार्यक्रम तेलंगाना राज्य के डक्कन विकास समाज (डीडीएस), जाहिराबाद, केवीके गड्डीपल्ली और एआईसीआरपी द्वारा अपनाए गए गांवों के छः नामित किसानों की आवाजों से गूंज उठा।

इन किसानों ने अपने अनुभवों को साझा करते हुए, अपने खेतों में सफलतापूर्वक लागू की गई नवीन कृषि पद्धतियों का खुलासा किया। उनके समर्पण और सरलता की मान्यता में, इन किसानों को उत्सव में सम्मानित किया गया। यह महत्वपूर्ण समागम हमारे किसानों, देश को विकसित और समृद्ध बनाने वाले सच्चे नायकों को धन्यवाद देता है। उनके अथक प्रयास और समर्पण हमारे देश को भोजन प्रदान करते हैं और हम सभी को बनाए रखते हैं।

अपर सचिव का मैनेज दौरा

श्री फैज अहमद किदवई, आईएएस, अपर सचिव, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 28 दिसंबर, 2023 को मैनेज का दौरा किया और मैनेज की चल रही गतिविधियों की समीक्षा की।

यात्रा के दौरान, डॉ. पी. चंद्र शेखरा, महानिदेशक, मैनेज ने मैनेज की गतिविधियों पर एक प्रस्तुति दी, जिसमें सुधार के अवसरों और मंत्रालय के समर्थन को रेखांकित किया गया।

उन्होंने महानिदेशक, मैनेज, संकाय सदस्यों के साथ बातचीत की और एसीएंडएबीसी, देसी योजनाओं, सीएफए/सीएलए, जय जवान किसान कार्यक्रमों और मैनेज द्वारा एफपीओ के सीईओ के प्रशिक्षण की प्रभावशीलता बढ़ाने और कवरेज बढ़ाने के लिए सुझाव दिया। श्री फैज अहमद किदवई ने मैनेज की सुविधाओं - प्रशिक्षण हॉल, छात्रावास सुविधाओं, सौर संकर प्रणाली, पुस्तकालय और मूक्स लैब का भी दौरा किया।

भारत सरकार के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों के लिए परिचयात्मक प्रशिक्षण

डॉ. ज्योति पवार, श्री रुद्रप्पा एलाई और श्री मनीष शुक्ला, विस्तार निदेशालय के अधिकारी, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने दिनांक 13 से 27 दिसंबर, 2023 के दौरान 'कृषि विस्तार प्रबंधन' पर 15 दिवसीय प्रेरण प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा किया और प्रमाण पत्र प्राप्त किया।

प्रेरण कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, मैनेज संकाय के साथ विचार-विमर्श और कृषि विश्वविद्यालय, मुलकनूर सहकारी समिति, वासन, कृषि स्टार्टअप्स का क्षेत्र भ्रमण और जलवायु परिवर्तन, प्राकृतिक खेती, एफपीओ, कृषि स्टार्टअप्स, डिजिटल कृषि आदि जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चल रहे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में समावेश का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम के समापन दिवस पर, अधिकारियों ने कार्यक्रम से प्राप्त प्रमुख सीखों को प्रस्तुत किया और विस्तार मॉडल, प्रबंध गतिविधियों और भारत सरकार की योजनाओं पर अपने क्षेत्र के अनुभवों को साझा किया। डॉ. बालसुब्रमणि, निदेशक (एसए एंड सीसीए), मैनेज ने कार्यक्रम का समन्वय किया।

मैनेज प्राकृतिक खेती टीम ने पद्म श्री भारत भूषण त्यागी के खेत का दौरा किया

मानज को प्राकृतिक खेती पर क्षमता निर्माण और ज्ञान भंडार के विकास के लिए ज्ञान भागीदार के रूप में नामित किया गया है। इस पहल के तहत, दिनांक 1 से 3 दिसंबर, 2023 तक बुलन्दशहर, उत्तर प्रदेश में मैनेज के प्राकृतिक खेती टीम ने तीन दिवसीय उन्मुखीकरण प्रशिक्षण प्राप्त किया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य श्री त्यागीजी के प्राकृतिक खेती पद्धतियों की गहन जानकारी प्राप्त करना है। दौरे के दौरान, श्री त्यागीजी ने रैखिक अर्थव्यवस्था से परिपत्र अर्थव्यवस्था की ओर स्थानांतरण पर अपने विचार व्यक्त किए, जिसमें प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए गांव केंद्रित समूहों की स्थापना पर विशेष ध्यान दिया गया।

इस टीम ने प्राकृतिक खेती के लिए मौलिक सिद्धांतों - परिपूरकता (Complementarity), विविधता (Diversity), पौधों का घनत्व (Plant Density) और पारिस्थितिकी (Ecology) पर गहन चर्चा की। इस चर्चा का नेतृत्व डॉ. एन. बालासुब्रमणि, निदेशक, मैनेज ने किया।

नई नियुक्ति

डॉ. अनिल कुमार रेड्डी ने दिनांक 29 दिसंबर, 2023 को अकादमिक एसोसिएट के रूप में मैनेज में कार्यभार ग्रहण किया। उन्होंने आईसीएआर-एनडीआरआई, करनाल से कृषि विस्तार में पीएचडी किया है और उन्हें आईसीएआर-राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान और यूजीसी से शोध फैलोशिप प्राप्त हुई है। उनका पीएचडी कार्य हरियाणा में कृषि महिलाओं की जलवायु परिवर्तन के अनुकूल क्षमता में सुधार लाने वाली परियोजना का हिस्सा था। डॉ. अनिल कुमार रेड्डी ने अब तक 8 शोध पत्रों, 7 पुस्तक अध्यायों और 6 लोकप्रिय लेखों के साथ-साथ विभिन्न अन्य विस्तार साहित्य का लेखन किया है।

संपादकीय टीम

मैनेज बुलेटिन प्रकाशित किया जाता है।

डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक
राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का एक स्वायत्त संगठन)
राजेंद्रनगर, हैदराबाद -500030, भारत

वेबसाइट: www.manage.gov.in

मुख्य संपादक
डॉ. पी. चंद्रा शेखरा
महानिदेशक, मैनेज

संपादक
डॉ. श्रीनिवासाचार्युलु अत्तालूरी
उप निदेशक (ज्ञान प्रबंधन),
मैनेज

सहायक संपादक
कृष्णा दाभोलकर
आउटरीच विशेषज्ञ, मैनेज

हिन्दी अनुवाद
सुश्री पुजा दास,
वरिष्ठ अनुवादक, मैनेज